आय बढ़ाने के लिए नई तकनीकें

1280. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने संचालन लागत और अन्य व्यय को कम करने की दृष्टि से विपणन की नई तकनीकों से आय बढ़ाने और राजस्व की हानि रोकने के लिए कोई कार्य योजना तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें कितनी सफलता प्राप्त हुई है ;

(ग) क्या इस संबंध में किसी परामर्शदाता संगठन के माध्यम से कोई सर्वेक्षण कराया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम निकले हैं ?

रेलमंत्री (श्री सी. के. जाफर शरीफ) : (क) और (ख) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए) :।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

आय बढ़ाने के लिए नई तकनीक

(क) और (ख) रेलों द्वारा एक कार्य योजना बनाई गई है ताकि आय में वृद्धि करके और खर्च पर अंकुश लगा करके परिचालनिक अनुपात में सुधार किया जा सके । योजना के ब्यौरे में जनशक्ति तथा ईंधन खर्च पर अंकुश के जरिए खर्च पर नियंत्रण रखना परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग करना, अनावश्यक यार्डों, लाईनों आय शेडों आदि को बन्द करना, अतिरिक्त/नया यातायात प्राप्त करने के लिए विभिन्न विपणन कार्य नीति अपनाकर आय में वृद्धि करना शामिल है । परिणामस्वरूप, 1993–94 के दौरान खर्च में 195 करोड़ रु० की बचत हुई है। राजस्व की चोरी रोकने की दृष्टि से अच्छे निष्पादन के लिए प्रोत्साहनों सहित टिकट चैकिंग के गहन अभियान चलाने, टिकट शीघ्र जारी करने के लिए कम्प्यूटरीकृत स्वतः टिकट छापों वाली मशीनें लगाने, 500/– रु० से अधिक भाड़ा प्रभार के लिए जारी रेल रसीद की शत-प्रतिशत जांच करने जैसे उपाय किए गए हैं जिसके उत्साहवर्द्धक परिणाम प्राप्त हुए हैं । नियमित आधार पर विपणन सर्वेक्षण भी किए जाते हैं ताकि बाजाबात की सम्भावना वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सके ।

Corrapifon in coasteuctiosi department of Rallways

1281. SHRI DILIP SINGH JUBEV; WiU the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of cases regarding corruption in the Department of Construction of the Western Railways which came to the notice of Government during 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94 and as on date, division wise;

(b) whether any enquiry has been conducted in this regard;

(c) if so, the outcome thereof;

(d) the details of the officers found guilty in this regard and the action taken against them; and

(e) if not, the reasons therefor?'

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARBEF): (i.) Eleven cases of corruption pertaining to the construction department of Western Railway have come to the notice of Government. As construction projects do not come under the jurisdiction! of any railway division, division-wise details of cases cannot be furnished. The fear-wise details are as under—